Speech

3rd All India Brahmaputra Squash Championship

माननीय केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री, श्री रामेश्वर तेली
माननीय जल संसाधन, सूचना और जनसंपर्क मंत्री, असम सरकार श्री पीयूष हाजारिका
माननीय सदस्य सचिव और एसएलएसी श्री गीतार्थ गोस्वामी
माननीय खेल निदेशक श्री निबेदन दास पटोवारी
असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री शिलादित्य देव।
असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के सलाहकार श्री संजीव नारायण
असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के महासचिव श्री राकेश तिवारी।
प्रकृति की क्रीड़ा स्थली और रम्य भूमि असम की धरा पर
आकर अभिभूत हूँ । असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के आमंत्रण पर आप सबके बीच उपस्थित हुआ हूंँ। धन्यवाद का पात्र है यह एसोशिएशन जिसने बालकों के शारीरिक और मानसिक विकास का बीड़ा उठाया है और बच्चों को भविष्य निर्माण हेतु स्क्वैश खेल जैसा सुअवसर प्रदान किया है।
असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन (ASRA) असम राज्य में स्क्वैश को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है। क्योंकि जमीनी स्तर के टूर्नामेंट ही हमेशा ध्यान अच्छे खिलाड़ियों की खोज करते हैं।असम स्क्वैश टूर्नामेंट की सबसे बड़ी बात यह है कि यह जूनियर, सीनियर और हर स्तर की प्रतियोगिता आयोजित करता है। इस एन०जी०ओ०का गठन 2010 में किया गया था। दक्षिण एशियाई खेलों में 2016 के दौरान स्क्वैश के खेल को असम में लंबे समय से लोकप्रियता मिली थी और तब से यह एसोसिएशन कोच और खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।
इसे ध्यान में रखते हुए स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया (SRF) ने ASRA को U-11, U-13,U-15,U-17,U-19 और पुरुष और महिला राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी है
ASRA 'स्टेट क्लोज्ड टूर्नामेंट' आयोजित करता है जो राष्ट्रीय स्तर पर अंक और रैंकिंग खेलता है। अनेक कोचिंग शिविरों के अलावा, आहार-विहार के अंतर्गत पोषण पाठ भी होते हैं, हम अपना "विशिष्ट वार्षिक टूर्नामेंट (सिग्नेचर एनुअल टूर्नामेंट) अर्थात द इंडिया ब्रह्मपुत्र ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट आयोजित करते हैं जिसमें पूरे देश से प्रतियोगी खिलाड़ी भाग लेते हैं

स्क्वैश एक इनडोर रैकेट और गेंद का खेल है जिसे दो खिलाड़ियों द्वारा चार दीवारों वाले कोर्ट में एक छोटी, खोखली, रबड़ की गेंद के साथ खेला जाता है। खिलाड़ी बारी-बारी से कोर्ट की चार दीवारों की खेलने योग्य सतहों पर अपने रैकेट से गेंद को मारते हैं।

स्क्वैश में सहनशक्ति की आवश्यकता होती है और यह धीरज और रणनीति का खेल है। खेल में उपयोग की जाने वाली छोटी "स्क्वैशेबल" खोखली रबर की गेंदों के कारण इसका नाम रखा गया है।

जब 2016 में गुवाहाटी में 12वें दक्षिण एशियाई महासंघ (SAF) खेलों का आयोजन किया गया था, तो इस आयोजन के लिए चार अत्याधुनिक विश्व स्तरीय कोर्ट सरकार द्वारा बनाए गए थे। सौरव घोषाल, कॉमन वेल्थ ब्रॉन्ज मेडल विजेता और वर्ल्ड नंबर 15 और जोशना चिनप्पा, भारत नंबर एक, कॉमन वेल्थ गोल्ड मेडल विजेता बना और 18 बार के नेशनल चैंपियन जैसे अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों ने अन्य लोगों के बीच भाग लिया

तीसरी अखिल भारतीय ब्रह्मपुत्र स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत के 24 राज्यों के 272 प्रतिभागियों ने भाग लिया, यह असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस तरह की चैंपियनशिप पूर्वोत्तर और विशेष रूप से असम में स्क्वैश के विकास के लिए एक जबरदस्त बूस्टर देगी।जहांँ इतनी सारी प्रतिभाएंँ पहले ही अपनी पहचान बना चुकी हैं। राष्ट्रीय खेलों में असम के लिए दोनों श्रेणियों में खेल रहे हमारे लड़के और लड़कियों की हाल ही की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि है
मैं हृदयतल से असम स्क्वैश टूर्नामेंट एसोसिएशन की भूरि भूरि प्रशंसा करता हूंँ जो भावी पीढ़ी को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ अपने शारीरिक और मानसिक विकास के साथ भविष्य निर्माण के अवसर देने का संकल्प लिया है
धन्यवाद